

ETT recruitment: HC quashes upper age limit fixed by previous govt

HT Correspondent

■ left.chd@hinduistatimes.com

CHANDIGARH: The Punjab and Haryana high court has quashed a condition whereby candidates above 37 years of age were not to be considered for the 3,522 posts of ETT teachers, advertised in November 2015, by the previous SAD-BJP government.

The high court bench of justice Jaishree Thakur ruled that norms notified for Class-3 Primary Service Cadre Teachers in 1997, would prevail over the General Conditions of Service Rules of 1994. The framers of the 1997 Rules (being later in point of time) were well aware of the age limit as prescribed in the general condition of service rules of 1994 and consciously fixed the upper age limit in the 1997 rules to be 42 years.

"Once rules are in existence, there will be no occasion to deviate from them by reducing the age of eligible applicants to 37. Reduction of age in the advertisement is unwarranted being dehors (outside the scope of) the rules," the HC bench said.

Forty-odd petitioners, all eligible candidates as per qualification, had submitted that age criterion should be between 18 and 42 and not the 37 as fixed by government. Interviews were held in January 2016. The advertisement for the 3,522 posts of ETT teachers was issued on November 9, 2015 and last date to apply for these posts was January 9.

42 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਤੱਕ ਵੀ ਭਰਤੀ...

(ਸਫ਼ਾ 1 ਦੀ ਬਾਕੀ)

ਅਧਿਆਪਕ ਦੀ ਉਮਰ 37 ਸਾਲ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ, ਉਸ ਉਪਰ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗਾ। ਜਿਸ ਦੇ ਚੱਲਦੇ ਪਟੀਸ਼ਨਕਰਤਾਵਾਂ ਦੇ ਐਡਵੋਕੇਟ ਮੰਨੀ ਸਿਗਲਾ ਨੇ ਅਦਾਲਤ ਨੂੰ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਤਰ੍ਹਾਂ 11 ਜੂਨ, 1998 ਨੂੰ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਕੀਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਾਨੂੰਨ ਤਹਿਤ 42 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਵਾਲੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀ ਲਈ ਅਯੋਗ ਦੱਸ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਭਰਤੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ 'ਚ ਭਾਗ ਨਹੀਂ ਲੈਣ ਦੇ ਰਹੀ। ਦੱਸਣਯੋਗ ਹੈ ਕਿ 8 ਜਨਵਰੀ, 2016 ਨੂੰ ਇਕਹਿਰੇ ਬੈਂਚ 'ਤੇ ਅਧਾਰਿਤ ਜਸਟਿਸ ਰਾਜੀਵ ਨਰਾਇਨ ਰੈਨਾ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਪਟੀਸ਼ਨਕਰਤਾ ਦੀਆਂ

ਅਰਜੀਆਂ ਅਤੇ ਭਰਤੀ ਫਾਰਮ ਬਿਨਾ ਆਨਲਾਈਨ ਤੋਂ ਦਸਤੀ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰੋ ਅਤੇ ਚੋਣ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਵਿਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦੇਵੇ। ਭਰਤੀ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਸੀਲ ਕੀਤੇ ਲਿਫਾਡੇ ਵਿਚ ਅਦਾਲਤ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਸੋਮਵਾਰ ਨੂੰ ਇਕਹਿਰੇ ਬੈਂਚ 'ਤੇ ਅਧਾਰਿਤ ਜਸਟਿਸ ਜੀ ਸ੍ਰੀ ਠਾਕੁਰ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਕਰੀਬ ਤਿੰਨ ਦਰਜਨ ਤੋਂ ਵਧੇਰੇ ਰਿੱਟਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਸਰਕਾਰੀ ਨੌਕਰੀ ਵਾਸਤੇ ਈ. ਟੀ. ਟੀ. ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਉਮਰ 1998 ਦੀ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਅਨੁਸਾਰ 18 ਤੋਂ 42 ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੇ ਹੱਕ 'ਚ ਫੈਸਲਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

ਅਜਿਤ

ਜਲੰਧਰ : ਪੇਜ - 13

04-04-2017

<http://epaper.ajitjalandhar.com/edition/20170404/8/8/13.cms>

हाईकोर्ट द्वारा 42 वर्ष की आयु तक ई.टी.टी अध्यापक भर्ती वाले उम्मीदवारों के हक्क में फैसला

फिरोजपुर, 3 अप्रैल (राकेश चावला): पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आज आए एक अहम फैसले ने ई.टी.टी पास 37 वर्ष की आयु की व्यतीत कर चुके हजारों बेरोजगार अध्यापकों के लिए सरकारी नौकरी करने के रास्ते खोल दिए हैं। जानकारी अनुसार पटीशनकर्ता परमिन्द्र कौर और अन्य द्वारा दायर मामले में बताया कि पंजाब राज्य शिक्षा क्लास-(111) प्राइमरी स्कूल कैडर के नियम 1997 में ई.टी.टी अध्यापकों की चुनाव के लिए आयु 18 से 42 वर्ष रखी गई थी और यह विशेष कानून 11 जून 1998 में सरकार द्वारा लागू किया गया। यह नियम पंजाब सिविल सर्वेसिज़ जनरल और आम शर्तों के रूल 1994 जिसमें ई.टी.टी अध्यापक की आयु 37 वर्ष रखी गई है, उस पर भी लागू होगा, जिसके चलते पटीशनकर्ताओं के एडवोकेट संघी सिंगला ने कोर्ट को बताया कि पंजाब सरकार द्वारा 11 जून 1998 को नोटिफाईल किए विशेष कानून तहित 42 वर्ष की आयु वाले अध्यापकों को नौकरी के लिए आयोग बताकर सरकार भर्ती प्रक्रिया में भाग नहीं लेने दे रही है। बताने योग्य है कि 8 जनवरी 2016 को इकहरे बैच पर अधारित जसटिस राजीव नरायण रैना की कोर्ट ने आदेश दिया था कि शिक्षा विभाग पटीशनकर्ता की अर्जियों और भर्ती फार्म बिना आन लाईन से दस्ती स्वीकार करे और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की आज्ञा दें। भर्ती का परिणाम सील बंद लिफाफे में कोर्ट को दिया जाए। सोमवार को इकहरे बैच पर अधारित जसटिस जै श्री ठाकुर की कोर्ट ने करीब तीन दर्जन से अधिक रिटों का फैसला करते सरकारी नौकरी के लिए ई.टी.टी अध्यापकों की आयु 1998 की नोटिफिकेशन अनुसार 18 से 42 की मांग करने वाले उम्मीदवारों के हक्क में फैसला दिया है।

42 साल दी उम्र तक वी भरती हो माकदे हन ई.टी.टी. अध्यापक

हिरोजपुर, 3 अप्रैल (चावला)- क्लास-(111) प्राइमरी सबुल केडर पंजाब ते गरिआणा हाई करेट दे दे नियम 1997 विच ई.टी.टी. अंज आए इक अहिम फैसले ने ई.टी.टी. अध्यापकों दी चेण लाई उम्र 18 टी.टी. पास 37 साल दी उम्र लेघा चुके ते 42 साल रेखी गाई अंज आए इह विस्त्रेता बांडुन 11 जून 1998 विच सरकार उरड़े लागू बीउ गिआ सी। दे राह खेलू दिंडे हन। जाणकारी इह नियम पंजाब सिवल सरवैसिज़ अनुसार पटीशनकरता परमिन्दर कौर जनरल अंज आम स्रतां दे तुल ते हरां वैलैं दाइर मामले विच 1994 जिस विच ई.टी.टी. अंसिआ कि पंजाब राज सिधिआ (बाबी मढा 13 ते)